

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—इपल्डण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्ली, सोमवार फरवरी 7, 1977/माघ 18, 1898

No. 40]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 7, 1977/MAGHA 18, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रख। जा सबी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filled as a separate compliation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 7th February 1977

G.S.R. 61(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts potassium chloride (muriate of potash) falling under sub-heading No. (5) of Heading No 31.02/05 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following, conditions, that—

- (i) the said goods shall be proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the same are being imported for use as manure; and
- (ii) the said goods shall not be used for any purpose other than as manure.

[No 21/F No S 6/77-TRU (Cus)]

JOSEPH DOMINIC, Under Secy.

राजस्य ग्रीर बेंकिंग विभाग

(राजस्य पका)

ग्र**िस्**चना

सीमा-शुल्क

नईदिल्ली, 7 फरवरी, 1977

सांश्रा निः 61(प).—केन्द्रीय सरकार, सीमाणुल्क प्रधित्यम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐपा करना ग्रावण्यक है, सीमा-णुल्क टैरिफ प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम भ्रतुभूवों के मोर्च मार्च 31.02/05 के उपगोर्च सर् (5) के भ्रन्तित सम्मिलित पोटैशियम क्लोराइड (पोटाया स्पूरियट) को उक्त सीमा-णुल्क टैरिफ भ्रधिनियम की धारा 3 के भ्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण भ्रतिरिक्त मुल्क से निम्नलिखित शर्ती के भ्रधीन खूट देती है, भ्रयात् यह कि,—

- (i) उक्त माल की बाबत सहायक सीमाणुल्क कलक्टर के समाधान प्रद रूप में यह सिद्ध किया जाएगा कि उसका प्रायात खाद्य के रूप में उपयोग करने के लिए किया जा रहा है, प्रीर
- (ii) यह कि उक्त माल का उपयोग खाद्य से भिन्न किसी श्रन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जाएगा।

[स॰ 21/एफ॰ सं॰एस॰ 6/77**~टी॰ मार॰ यू॰ (सी॰ गु॰)**]

जोसेक डोमिनिक, भ्रवर सचिव।